



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS29335	ImageGroup:	I8LS29337
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	པདྨ་བཀའ་ཡི་ཐང་ཡིག pad+ma bka' yi thang yig
Author:	ཨོ་རྒྱལ་གླིང་པ། o rgyan gling pa/
Descriptor:	Hand written
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138.

Sho Tan PAD-MA BKA' THAN

NEPAL-GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Place of Deposit: 865 'PAHEL From: SONAM LAMA MS No.

Subject: RNAM THAR (Biography). Accession No. L3544

TITLE (acc. to Catalogue/Catalogue):

URGYAN GURU PAD-MA 'BYUN GNAS Kyi SKYES
RABS RNAM THAR RGYAS PAR BKOD PA PADMA
BKA' YI THAN YIG BEUGS SO/

OTHER: Orgyan glui pa

No. of Volumes: 381 V. Length (cm) in cm: 13.2x44 Kall No.

Date of Binding: 5.2.90 Script: Nepali. Script: Thangka Material:

Remarks: paper—cottonized, damaged by moth—rag—drawing—natural

Paper: Nepale-Indian—mill-made, late—Thangka—bound

Date: AS VS . Shaka . 45 . Century . Other Note No.

L 287
22

0-63

[Faint handwritten notes]

[Faint, illegible handwritten text]



འཇམ་མཁན་པོ་ལྷ་མོ་



འཇམ་མཁན་པོ་ལྷ་མོ་

[illegible]

[illegible]

ਅਦਕੀਸ਼ਾਨਾਤਲਾਗੁਰਕੀਕੇਦਪੜ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

કુચ પે સ્ત્રી પેરિ

ਸੇਵਾਦਾਰਾਂ ਦੀ ਸੁਭਾਵਿਕ ਗੁਣ ਸੰਕੇਤ ੫੫

པདག་དང་གཞན་གསེས་སྐུ་མི་དང་པར་གཞིག་པ་ལས་།

रसपल्लव

འདི་མིང་ཡང་མི་ལྷན་པལ་ཡུར་མི་རྒྱུད་པ་

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथ विष्णुः

पदे मरे पद मे प्र पा पसे प पद मे के द पः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीरामचन्द्र

पुष्कर-सर-सर-शृणुष्व-सर्व-भूत-मन्त्र-पः

གོས་ལུ་ཁུ་པ་ཤེམ་ས་ལོའི་དམ་པོ་གོས་ལུ་ཁུ་པ་ཤེམ་ས་ལོའི་དམ་པོ་

गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

இந்தியாவில் குடிசைகளைக் கட்டி

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

२७: ॥ सत्त्वोत्पत्तिः तदा त्रिगुणस्य त्रयोदशोत्पत्तिः ॥ सत्त्वोत्पत्तिः तदा त्रिगुणस्य त्रयोदशोत्पत्तिः ॥ सत्त्वोत्पत्तिः तदा त्रिगुणस्य त्रयोदशोत्पत्तिः ॥

[illegible]

॥ ७७ ॥ ॥ हे दद धे दस धु द द प वा गु र्दे र प्र स स त द ते ॥ सु स तु क ण सु स धु द द म न स प प ये द ॥ ए र दे र ए री प
 मे द र्दे र ए ह स न स सु ॥ ए र दे र धे र प्र स स त द प स स प ठ स धी स र सु प ॥ दे र सु र प ण र्दे र द ये र प ये द ॥ ए र दे र हे र
 वे र प स स र दे र म ते ण क र द ण व ॥ सु र धे र धे र वे र दे र धे र सु र प र ये द ॥ सु र प र दे र प र प र दे र मे द सु र वे र द द ॥ सु र
 धे र सु र प र दे र प र प र ॥ म र्दे र सु र प र ण र्दे र सु र प र प र दे र ॥ दे र दे र ए र दे र हे र सु र प र प र दे र ॥ सु र
 सु र म र्दे र ए र दे र धे र सु र प र प र ॥ ए र दे र ण र्दे र सु र प र दे र ॥ सु र दे र ए र दे र हे र सु र प र प र ॥ सु र
 ए र दे र ॥ ए र दे र हे र वे र प स स र धे र म र्दे र ए र दे र प र ॥ सु र सु र प र प र दे र सु र वे र द द ॥ सु र सु र प र प र दे र

[illegible]

[illegible]

वृद्धः

॥ तेषां पदः ॥ पद्मं रश्मिं हेतुं दपदं पुनरुत्तमं पदम् ॥ वल्लभं पदं त्रुमलं यदस्य सुखं पदम् ॥
देहे रश्मिं हेतुं पुनरुत्तमं सत्तमं ॥ सुखं सत्तमं त्रुमलं यदस्य सुखं पदम् ॥ वल्लभं पदं त्रुमलं देहं पदम् ॥
देहं पदम् ॥ वल्लभं पदं त्रुमलं यदस्य सुखं पदम् ॥ वल्लभं पदं त्रुमलं देहं पदम् ॥ पद्मं त्रुमलं सत्तमं
हेतुं त्रुमलं पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं यदस्य सुखं पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं देहं पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं
त्रुमलं पदम् ॥ पद्मं त्रुमलं यदस्य सुखं पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं देहं पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं
पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं यदस्य सुखं पदम् ॥ पद्मं त्रुमलं सत्तमं पदम् ॥ सत्तमं पदं त्रुमलं देहं पदम् ॥

ਸ੍ਰੋਤੰ ॥ ਦਯਾਦਰਸ਼ਨਾਤਰ੍ਥੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਅਦਯਕੁਲੰ ਦਯਾਦਰਸ਼ਨਕੁਲੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਪਦ੍ਮਾਧਿਪਤਿਸ੍ਵਰੂਪੰ
ਕਿੰਨ੍ਧਰੰ ॥ ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਤਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਗਰੁਧਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਅਦਯਕੁਲੰ ਗਰੁਧਾਦਿਵ੍ਯੰ
ਸ੍ਰੋਤੰ ॥ ਪਦ੍ਮਾਧਿਪਤਿਸ੍ਵਰੂਪੰ ॥ ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਤਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਤਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥
ਕਿੰਨ੍ਧਰੰ ॥ ਅਦਯਕੁਲੰ ਦਯਾਦਰਸ਼ਨਕੁਲੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਪਦ੍ਮਾਧਿਪਤਿਸ੍ਵਰੂਪੰ ॥ ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਤਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ
ਕਿੰਨ੍ਧਰੰ ॥ ਦਯਾਦਰਸ਼ਨਕੁਲੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਅਦਯਕੁਲੰ ਦਯਾਦਰਸ਼ਨਕੁਲੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਪਦ੍ਮਾਧਿਪਤਿਸ੍ਵਰੂਪੰ
ਕਿੰਨ੍ਧਰੰ ॥ ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਤਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਤਾਦਿਵ੍ਯੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ ॥ ਅਦਯਕੁਲੰ ਪਰਿਵਿਦਾਤਮਾਨੰ

ཡངས་དམ་པའི་ཕ་བཅུ་མདུ་ལྟགས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ ལྟན་གྱིས་བརྒྱན་པའི་ཕ་ཁེ་ལམ་ལ་ནུ་ ལུ་
ལྟན་གྱི་ལྟན་པའི་ཕ་བཅུ་མདུ་ ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ དེ་བཞིན་
རྣམ་པར་དག་པའི་ལམ་ལ་ནུ་ ལྟན་གྱིས་ལྟན་པའི་ཕ་བཅུ་མདུ་ ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་
ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ རིན་ཆེན་བཀྲའ་དོན་ལམ་ལ་ནུ་ ལུ་ ལྟན་གྱིས་དག་པའི་ལྟན་པའི་ཕ་བཅུ་མདུ་
ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་
ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་ ལྟན་གྱིས་ཇི་ལྟ་བུ་བཞུགས་ཆོས་སྟོན་ཏེ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात् ॥ त्वं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकास्तथापि सन्निभो मया ॥ पाशपातैश्च शस्त्रैश्च शङ्खधनुषैः ॥

अदस कुस गुव तु वउद पवि पव न प वः विद वम स कुत वै प म प वि स पु प रः य व वै कु य र गे स सु द प रु रु द दः॥
पु म वै र गे स सु द म वि स सु द हे र म उः पु रुरे वि द वै प दे सु प ठे स पु प मः व न म वि स द स कु स गु व तु वउद प वः
स म स सु द कु स प वि म उ त वै म हे स प र गेः सु प व कु स व स प र र म सु र प वि कु यः म प र सु द पु द पु म र सु स प
वैः द म द स पु म उ र म ग द स व कु स र हे र वि स पुः हे हे म म य द प द व सु र कु स प वि म उ तः द म प म सु द प र म स
द प र हे हे र म म यः अ द स कु स म उ त वै म य पु ग स वि स पु रः य व वै द म द स र गे स पु म कु स प द दः पु म वै
द म द स र गे स पु म कु स म पुः पु रुरे वि द वै ह म ह वि स पुः स म स सु द कु स प वि म उ त वै म य पु द प यः सु प

॥२७॥

॥ वक्रुदमन्त्ररेदुरलेखपः ॥ दण्डपञ्चुरमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ सदसकुलमन्त्रतेदेहे
समश्रयस्यः ॥ यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥ यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥ यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥
पुणः ॥ सधनसुदलसपरेमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ सुदण्डपञ्चुरमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ दण्डपञ्चुरमन्त्र
परेमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ सदसकुलमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥ यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥
यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥ सुदण्डपञ्चुरमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ सधनसुदलसपरेमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥
मन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ दण्डपञ्चुरमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ सदसकुलमन्त्रतेदेहेतेलेखपः ॥ यत्तेपुसतेरेरेणसतेषः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

unpub. MS.

[illegible]

ནས་དཔང་དུ་བཞུགས། དུས་མེད་མེ་རི་ཕྱངས་ནས་ཟས་སུ་བྱེས། སེམས་སྒྲིལ་གྱིས་ཕྱོད་པ་མཛུགས་སུ་རྒྱུ། ལྷན་ཆུགས་ཀྱིས་ད
པའི་ཕུ་དང་ཕྱི་དང་ནི། གཙན་གཟན་རྒྱུ་ལྟེན་པའི་ཕྱོད་པ་སྒྲིལ། ལྷན་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན། དེས་
ཕོ་བཞི་ལ་རང་བཞིན་འདས་པར་གྱུར། ལྷན་གྱི་ཆོག་སྒྲིལ་དཔེ་མེད་ཀྱི་ཕྱོད་པ་སྒྲིལ། དཔེ་དཔོན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན།
བསྐྱེད་ནས་ལོ་སྒྲིལ་ཕྱོད་པ་སྒྲིལ། དེས་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན། ལྷན་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན།
དེ་རྒྱུ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན། ལྷན་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན། ལྷན་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན།
རྒྱུ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན། དེས་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན། དེས་ཆེན་མཁའ་ལྷན་དཔང་པས་རྒྱུ་ལྷན་པ་ལྟེན།

[illegible]

गर्भे दधरे रद्विणेन स्रुग सध यो सु त्तो जल पयुः सत्तव के म त्तो म त्तु द ग रुर क्तव सः दे दुष पुष्य के के पु क्त व वि सः
एद न यो रद्विणेन पुद मे ए उ द रे रे यो दः पुष्य र स द्धु र दः अतु क्तव क्तव व के पुष्य ए उ द ग त्तवः ग द्धु र रे सु त्तो स्रु
र दः दे वे सु य के क्तव द्वे व स प उ दः दे पु र व क्तव रे पु द द द्वे व यो सः क्तव म प र क्तव र द स प स म प र पु द वे रः
गु म्भु त्तो र य वे द सु त्तो पुष्य ए उ द वि दः ह न गु त्तो द द के गे स यः ग र्भे द सु त्तो पुष्य र पुष्य ए उ द व स के प र वि दः ग वि द्धु द
य सु ग के के स त्तोः अत प स ए उ द व स त्तो द के स प र य सः गु त्तो के स य सु त्तो प र य प र पुष्य ए उ दः अत प र क्तव द
सु त्तो पु द रः पु द पु र पुष्य के द प रः गु यो स प उ द व स ए द्धु र य क्तव स प र य सः अत र य क्तव र पुष्य गु य प र के

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तप्रसादपञ्चकम् ॥ प्रेमया योग्यं कर्तव्यं कुरुष्वैवमुपायः ॥ सारसं कुर्वन् पश्यन् परमादिना
 मन्दपः ॥ श्रद्धाया दत्तात्मनश्च सुखं यत्किंचिदासीत् ॥ तस्मिन्निष्ठो ह्यहं विदुः प्रियं मे विलोकितुं ॥ यद्वा दत्तं मया किंचिदपि न भूय ॥
 चरन्त्यत्र ॥ इति श्रीभक्तप्रसादपञ्चकम् ॥ देवि तेनैव प्रसादात् सर्वं भवेत्फलं पुण्यं ॥ सुखं दानं च
 गच्छेत्तुं न युक्तं यथाशक्तिं प्रीतिः ॥ केवलमेव मुनिर्ज्ञातुं प्रसादपरं पुण्यम् ॥ ज्ञेयं हि तं कृत्या यत्तु प्रसादः ॥ यद्वा
 नन्दं यदापि निवासं प्रीतिं च दद्यात् ॥ तस्यैव प्रसादो भवेत्तु परं पुण्यम् ॥ अथ पुनरुक्तं यद्वा प्रसादः ॥ यद्वा
 नन्दः ॥ मायामयं यत्तु प्रसादो भवेत्तु परं पुण्यम् ॥ यद्वा प्रसादः ॥ यद्वा प्रसादः ॥

[illegible]

[illegible]

২২৫

[illegible]

पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । नदीनां परमपुत्रं च मया यत्किञ्च परमपुत्रः । तेषां गन्तव्यं यत्किञ्च परमपुत्रः ।
 सुप्रसन्नं परमपुत्रः । नदीनां परमपुत्रं च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।
 सुप्रसन्नं परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।
 नदीनां परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।
 सुप्रसन्नं परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।
 नदीनां परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।
 सुप्रसन्नं परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।
 नदीनां परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । पदेन परमपुत्रं कृत्वा च वदन् मरुतः । सुप्रसन्नं परमपुत्रः ।

ॐ

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पः ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शुभं भवतु ॥ शुभं भवतु ॥ शुभं भवतु ॥ शुभं भवतु ॥ शुभं भवतु ॥ शुभं भवतु ॥ शुभं भवतु ॥
वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥
वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥
वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥
वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥ वैशं भवतु ॥

ॐ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
 दध्नाय नमः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तायुधोवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

၆၆:

ॐ॥ ॥ ५ ॥ पुष्पासमन्तासु प्रसन्नान्तराः ॥ परं पुष्पासमन्तासु प्रसन्नान्तराः ॥ अथान्तराः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृतसंग्रहः ॥

[illegible][illegible]

འདུག་པོ་ལྷུ་མ་རྒྱུ་ལ་འབྲས་པུར་ཕྱོད་པུར་ཅན་། སྤྲུལ་ཁང་པུས་འདྲ་མཉམ་གྱིས་སྤྲིལ་། རྩེ་མ་གཏེ་ཡིན་དུ་འཁྱེད་པས་གྱིས་

ॐ

॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ नाना दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥

केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥

ॐ ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥

ॐ ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥

ॐ ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥

ॐ ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥ दमः केन वस्तुनाः ॥

ਘਟਨਾਵੀਰ ਕੁਲੇ ਸ਼ੇਖਰ ਸੋਧ ਭਾਗਿ ਪੁਕੁਰੁ ॥ ਦੇਵ ਧਾਰੇ ਧਰਮੁ ਰਾਇ ਕੁਲ ਪਾਤੀ ॥ ਧੁਧ ਧਾਰੇ ਬੁਧ ਭੇਖ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ਪਰਗਣਾ ॥
ਕੁਲ ਸ਼ੇਖਰ ਸੋਧ ਭੇਖ ਪੁਕੁਰੁ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਸ਼ੇਖਰ ਪਰਿ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥
ਮਝਕੀ ਪਤਰ ਪੋਥ ਮਝਕੀ ਪਾਤੀ ॥ ਦੇਵ ਕੁਲ ਪੋਥ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥
ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥
ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥
ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥
ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥ ਪਦੇ ਪਰ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਰ ॥

५७०
देवदेवस्य परमेश्वरस्यै नमः ॥ अथैतन्मन्त्रं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥
सुखं यथा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
५८०
देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवस्यै नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५८
सुदनीलः कुप्यमेव वसुधपदि पदेत वसुधपदः जेव रव वसुधपय गलुम जेव गुण तव पदुयः सुदु वसुधमेव
दुपरेव सुदु वसुधपदेतः कुप्यपदेत वसुधपदेतः नसद सुगल सुमेद देहि जेव पय गलुदसः देवस सुदु वसुधपदेतः
मयः सुपयमेव दुपरेव सुदु वसुधपदेतः देहि गलुप पदेत वसुधपदेतः योपु न म जेव पुर सुप सुदसः यय
वे कुप्यपदेत वसुधपदेतः सुदु वसुधपदेत वसुधपदेतः सुदु वसुधपदेत वसुधपदेतः सुदु वसुधपदेत वसुधपदेतः
नयमेव वसुधपदेत वसुधपदेतः नयमेव वसुधपदेत वसुधपदेतः नयमेव वसुधपदेत वसुधपदेतः नयमेव वसुधपदेत वसुधपदेतः
वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत वसुधपदेत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

संभुमदेरभदेसभः ॥ सुसुदुप्रेषरवहुदणरवरपुदेः ॥ सुपेसभवेदणवेसुलकेरुणहुदणवेः ॥ यज्ञायपादणवेप्रेष
वहुसुदेभणः ॥ दणुपुहुदणुरावेरेयसुरकुवापुसुरः ॥ ससुदेणकसकुमसरायप्रणरवेदभुसः ॥ वेसपवेकेणसुस
कुपकेकपवेकुमसपुसः ॥ रायप्रिपुणउककमभापवेदपुदेसपवेरेः ॥ यज्ञदभेसवेदमिसुपवेसुदेदुसणेणः ॥ दुमदेप
वेरेपसरायप्रिप्रेषसुरकसः ॥ यज्ञवेकुवापुसुदेवपसवेपुसुरः ॥ वेणवेरेपुमेषुणसपुदेसपवेसपवेः ॥ यज्ञम
सुमहुदणसुमभुपुपदुः ॥ सुमसुमभुवेपुसुदुपुसुदेवपवेदसः ॥ कुपवेदेकेप्रसपसपसपुसुरः ॥ सु
कुवसुहुदणुपुदणकसपुसुवेसपसकुमपरवरपकुपपरवगदेपपसः ॥ यज्ञकपमनेसपुसुदुपुसुपुसुपवे

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ

[illegible]

12. 12. 19

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासृजः ॥ अहं भूतार्जुनस्य द्रुपदपुत्रः ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासृजः ॥ अहं भूतार्जुनस्य द्रुपदपुत्रः ॥

सोपलोपयेस पकुदद पकुदकु यंदः सेप्येरेवस दद गठव गठव एमुद दद तीः पुणगीमके दद गेदरुस रेरव पमोरः
पुमपुद मपरेपयेर दद दद गदेव गदेवः सप्य सुप्य पणस पद पुदकेव पमोरः सपदे हे पप्य पुणस रेरव पमोरः
मुवेपुपुप्य पंजद पपुपुणस पददः पदणे हेर मपद पपुपुणस पुमपद पपुपुणसः सोपदे द गेपेपेस द गेपः पपुपुणस
सोपद पुणस रेरव पुद पुम पमोरः पंजद पदणे हेर मपद पपुपुणस सोपद पुदः देपेरेण तस पुपुपुणस मके द पपुपुणसः पद
दप्य पुमपुपुणस सोपद पुदः पुदद पपेपेस द गेपेस सोपद पुदः पुणगीपुमगी पुम पुपुपुणस पपुपुणसः पपुपुणस पपुपुणस
पुणकु पपुपुणस पददः पुम पद हेर पपुपुणस सोपद पेरद पुददः सोपदेरे पुदद द रेरवः लपदः सोपद लपदे पेरवः पुण

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

১৯৬৬

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21
10

पद्मकुसुमपदिवप्रापितः पणः ॥ श्रीमद्देवप्रह्लादः केशवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः
वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ श्रीमद्देवप्रह्लादः केशवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः
पदे पदे श्रीमद्देवप्रह्लादः केशवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः
परः पदः ॥ श्रीमद्देवप्रह्लादः केशवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः
नेत्राक्षयः ॥ श्रीमद्देवप्रह्लादः केशवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः
श्रीमद्देवप्रह्लादः केशवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः श्रीमद्देवप्रह्लादः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क्या वह है

[illegible]

55

[illegible]

◎

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰۲

[illegible]

[illegible]

पुत्रः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

உயிர்வாழ்வு

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ७ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ਪਰਿਦੇਵਲ ਪੂਰ੍ਵ: ਸ੍ਰੀਕੋਟਲ ਸੋਦਗਰ ਲਦਲ ਕੁਲਕੋਲ ਅਪਥ: ਸ੍ਰੀਪ/ਸ੍ਰੀਲੋਪਰਿਦੇਵਲ ਪੂਰ੍ਵ: ਧ੍ਰੁਵਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾ
ਪਰ੍ਥੁਥਾਪਥ: ਕਾਸੀਪਥਾਸੋਪਰਿਦੇਵਲ ਪੂਰ੍ਵ: ਅਦਲਕੁਲ ਪੁਰਪਰਿਸਦਪ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾ
ਸ੍ਰੀਦ: ਤੇਲਲੋਥਲ ਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾ
ਸਦੇਸ਼ੋਪਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾ
ਸਦੇਸ਼ੋਪਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾ
ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾਸੋਦਗਰ ਪਰ੍ਥੁਥਾਸ਼੍ਰੀਪਥਾ

[illegible]

श्रीगुरुभ्यो नमः

ਸੋਸ ਵੀ ਦੇ ਪੁਰਾਨ ਦੁਆਰਾ ਪੁਰਾਨ : ਸੁਖ ਪਾਦ ਦੀ ਪਸਲ ਦਾ ਦੁਲਾਹੁ ਦਾ ਪਸਲ : ਦਸ ਦਾ ਦਾ ਦੀ ਪਸਲ ਕੁਮਲ ਦੇ ਦਾਹੁ ਦਾ : ਅੰਗੁਲੀ ਪਾਦੀ :
ਕੋਲ ਕੁਮਲ ਪਾਦ ਦੇ ਪਸਲ ਪੁਰਾਨ : ਦਸ ਦਾ ਦਾ ਦੀ ਪਾਦ ਦੇ ਪਸਲ ਪੁਰਾਨ : ਪੁਲਾਨ ਕੁਮਲ ਪਾਦ ਦੇ ਪਸਲ ਪੁਰਾਨ : ਦਸ ਦੇ ਪਾਦ :
ਪਾਦੀ ਪਸਲ ਪੁਰਾਨ ਪਸਲ : ਕੋਲ ਪਾਦੀ ਪੁਰਾਨ ਦੁਲਾਹੁ ਕੁਮਲ ਦਾ ਦੀ : ਪਸਲ ਦੁਲਾਹੁ ਪਸਲ ਪਾਦ ਪਾਦ ਦੇ ਪਸਲ ਪਾਦ : ਕੁਲ ਪਸਲ
ਸੁਖ ਕੁਮਲ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ : ਕੁਮਲ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਪਾਦ : ਸੁਖ ਪੁਰਾਨ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਪਾਦ : ਦਸ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ
ਦੁਲਾਹੁ ਪਾਦ : ਦਸ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ : ਦਸ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ : ਸੁਖ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ :
ਦਸ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ : ਦਸ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ : ਦਸ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ : ਦਸ ਪਾਦੀ ਦੇ ਪਸਲ ਦੇ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतस्य प्रथमस्कन्धोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

17.09.2012

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

[illegible]

गण्डुददलसुखः अदीगसुखमठेअध्वरदसगुणगतदपरमर्द्धः सुवदपररुद्धमपरिउकुसत्रुवणवधुतः गुवदगार
वर्षिदयोगसर्लोवेतगसुखगण्डुदः दवीनद्विपदरपुष्टवर्तः द्योर्द्धिदयोगसपरिअरपरिअरद्विषः केसुप्रियदणः
सदसकुसुमदेवववसः ईसमददगोर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः दमेवणवदुवर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः मेर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः
दुगसवणदुष्टोर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः सदसकुसुमगण्डुददेवपरपदवपरदः योगसपरिअरमर्द्धः
वेमसपरवैवपुष्टोर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः रसवणवपरिअरमर्द्धः वेववददेवपुष्टोर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः
दुष्टदुगसगठेवदुष्टदः सुदसुदसकुसुमपदववममर्द्धः वेववददेवपुष्टोर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः वेववददेवपुष्टोर्द्धिदयोगसपरिअरमर्द्धः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

[illegible]

यदपवाचमर्त्तगदपेदः देहेहेमदवसदसुदपदेकुदः सभेयेवसवसनेदमेपुयेवरः येवदुनवरदुनसदसुनस
लेयनसुदसः कदपल्लभेदहेहेनयवेः पुनकदेहेनभुवठेनयुदपल्लवसः केननतेनसगसुदसपल्लवपदेयेनयुद
नसुदसः पुननतेनभुनरदेहेनदवगठेनवः यल्लवपल्लवयल्लवपल्लवमेदपुदः पुदतमेवदपुनपरपल्लव
पयहेः केनमेदसपदेदवसवपदुनपदेनतेनयेरुः वदुनपदेयेवदहेयेकेनभुदनसुदसः केनमेदसवदपुदपदुन
पदेनतेनयेरुः यदेयेयेवदहेयेकेनभुदनसुदसः केनमेदसवदपुनपदेनतेनयेरुः यदेयेयेवदहेयेकेन
भुदनसुदसः पुननसुवकसभमपदुनपदेनतेनयेरुः नसदसुनसयेवदहेयेकेनभुदनसुदसः केनमेदमेवदुन

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10/12/2020

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अ संतुपायु

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५५५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

292

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2. $\frac{1}{2}$ of 1000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

295

[illegible]

सर्वोच्च न्यायालय

[illegible]

[illegible]

✕
देवता

[illegible]

[illegible]

ལ་དུངས་པ་ཡི། ག་དེ་གང་ཡུང་འཆད་དམ་མི་འཆད་ཅེར། མི་འཆད་གྲུ་ཁྱོད་མི་གསོད་དེ་ཅེར། བུཌ་མོ་བྱེད་མི་ལྷངས་ནས་
མ་བཟོད་དེ། ང་ལ་རྒྱལ་མེད་མཐུར་བར་དུས། འབྲས་བུ་ཕྱར་ཆོད་དུས་མེ་རུ་འཆད་པ་ཡི་ནི། དེ་སྐད་སྤྱོད་པས་རྒྱལ་པོས་ལྷན་
བཏང་ནས། འོན་མཐུར་པ་བྱེད་ཤིག་གསུང་། བུཌ་མོས་ལྷ་ལྷ་མ་བྱེད་ནས་ཡོངས་པ་ཡིས། རྒྱལ་པོས་ལྷན་གསལ་བཞི་ལྷ་ལྷ་མ་
མཐོད་ཅུ་བཟུང་། གཡེས་པས་གྱི་བཟུང་ཅུ་ཅུ་ལ་བུཌ་མོས། བདག་ལ་དུངས་པ་དེ་གང་འཆད་ནས་ཤོས། འཆད་དམ་མི་འཆད་
མ་འཆད་གསོད་དེ་ཅེར། ལྷ་ལྷ་མ་བྱེད་ལྷངས་བུཌ་མོས་ཤོས་པར། ང་ལ་མ་མས་མྱོ་ས་ཤོས་པར་ཅེར། ཆར་པ་ཆར་ནས་
ཆོད་འདྲེས་མི་འདྲེས་ནས། ཡོག་ནས་འོངས་པ་དེ་ལ་མ་ག་ཤིག་ན་ནི། ལྷ་ལྷ་མོ་འོག་ཆར་པས་དག་ནས་འདྲེས། དེས་ལྷ་ལྷ་མོ་འོག་པས་

7200

४१५५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सोः
 पाण्डवश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥
 द्रुपदभीष्मद्रुपकुन्तिजराट्यका
 दिसहस्राणि तानाचार्यमुपसंगम्य ॥
 पाण्डव उवाच ॥ द्रुपदः प्रभो ॥
 त्वया प्रदीप्तं हृदि ध्यायेन्मनुष्यकम् ॥
 सार्वभौमस्यैव कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सोः पाण्डवश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1745

[illegible]

4. 9. 2004

[illegible]

[illegible]

अणुव्यापणसंसारसंज्ञायाः ॥ १ ॥ अणुव्यापणसंसारसंज्ञायाः ॥ १ ॥ अणुव्यापणसंसारसंज्ञायाः ॥ १ ॥ अणुव्यापणसंसारसंज्ञायाः ॥ १ ॥

1997

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1297

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

सुभाषचन्द्रबोस

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and largely illegible due to fading.]

५५

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

NYINGMA SCHOOL

HANDWRITTEN DBU CAN

Title **PAD-MA BKA' THAN**
NEPAL-GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Manuscript No. **DBU PAHEL** Private **SONAM LAMA** MS No.

Subject **RNAM THAR (Biography)** Register No. **L3544**

Date of transcription

URGYAN GURU PAD-MA DZAYUN GARS KYI SKYES
RABS RNAM THAR RGYAS PAR BKOD PA PADMA
BKA' YI THAN YIG BZUGS SO/

Number of pages **Orgyan glui pa**

No. of leaves **381** H. x W. **13.2 x 44**

Date of folio **5.2.80**

Number of lines

Paper

Size

L287

22

Contd. L28811

मयः सुखं ददति यत्नेन तत्र मयि न भवति । इति सुखं यत्नेन न भवति । अतः सुखं यत्नेन न भवति । अतः सुखं यत्नेन न भवति ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीलक्ष्मीनारायणाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ६ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

७७५

[illegible]

[illegible]

॥१॥

॥२॥

॥३॥

पुनरुपर पण्डित पण्डितः कुणारद सुपुत्रदरापके कृष्ण कर्णः पण्डित पण्डितः पण्डित पण्डितः

देवता सुपुत्रा पण्डित पण्डित पण्डितः देवता सुपुत्रा पण्डित पण्डितः देवता सुपुत्रा पण्डित पण्डितः

पण्डित पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः

पण्डित पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः

पण्डित पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः

पण्डित पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः सुपुत्रा पण्डित पण्डितः

॥४॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसन्नचित्तः सदा मुनिर्ब्रह्मात्मजः ॥
 मन्त्रं ध्यात्वा तस्मात्प्राप्तं विदुषां परमं कुरु ॥ अथ ब्रह्मविद्यायां श्रीकृष्णार्जुन
 संवादे शिवयोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अथ शिवयोगः ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 शिवो ज्ञानयोगो योगो ह्यश्वत्थाम ॥ यो यो गच्छति शिवं सो गच्छति मे वरुण ॥
 शिवो हि साक्षात्पश्यन्मम परमहंस ॥ शिवो मे भक्त्या युक्तो योगीन्द्रतपोभवे ॥
 शिवो मे भक्त्या युक्तो योगीन्द्रतपोभवे ॥ शिवो मे भक्त्या युक्तो योगीन्द्रतपोभवे ॥
 शिवो मे भक्त्या युक्तो योगीन्द्रतपोभवे ॥ शिवो मे भक्त्या युक्तो योगीन्द्रतपोभवे ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

564

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

1993

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवतापदे परमं दुःखं श्रेष्ठं यो यो सः ॥ पुनरिह स भगवत्पुनरप्युपपन्नः ॥ सोऽपि
दमस्तनयः शत्रुघ्नः पारिषदादिभिरनुसृतः ॥ शत्रुघ्ने पुनः परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ तद्वदस्य पुनरप्युपपन्नं ॥
पदे परमं दुःखं श्रेष्ठं यो यो सः ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥ देवतापदे परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥
कुप्योऽपि यो यो सः ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥ देवतापदे परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥
दमस्तनयः शत्रुघ्नः पारिषदादिभिरनुसृतः ॥ शत्रुघ्ने पुनः परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ तद्वदस्य पुनरप्युपपन्नं ॥
कुप्योऽपि यो यो सः ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥ देवतापदे परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥
दमस्तनयः शत्रुघ्नः पारिषदादिभिरनुसृतः ॥ शत्रुघ्ने पुनः परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ तद्वदस्य पुनरप्युपपन्नं ॥
कुप्योऽपि यो यो सः ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥ देवतापदे परमं दुःखं यदुपपन्नं ॥ पुनरप्युपपन्नं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीसुन्दर्याय नमः ॥ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमस्कन्धोऽध्यायः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीसुन्दर्याय नमः ॥ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमस्कन्धोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

497

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीवसुदेवाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकल्याणाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीमङ्गलाय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीशुभाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसुखाय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीसौख्याय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीसन्तोषाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीसमृद्ध्याय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीवैभवाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीशान्तिाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीवन्द्ये नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीपद्मभ्यो नमः ॥ ४ ॥
 श्रीसुखभ्यो नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशान्तिभ्यो नमः ॥ ६ ॥
 श्रीवैष्णवभ्यो नमः ॥ ७ ॥
 श्रीभक्तभ्यो नमः ॥ ८ ॥
 श्रीप्रेमभ्यो नमः ॥ ९ ॥
 श्रीशुद्धभ्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीसत्त्वभ्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीपद्मभ्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसुखभ्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशान्तिभ्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीवैष्णवभ्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीभक्तभ्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीप्रेमभ्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीशुद्धभ्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीसत्त्वभ्यो नमः ॥ २० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इत्येकं नाम । पराशरः । एतत्त्रयं नाम । पराशरः । एतत्त्रयं नाम । पराशरः ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 वसुधैव कुटुम्बकम् ।
 गणेशाय नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीशिवाय नमः ।
 श्रीविष्णवे नमः ।
 श्रीब्रह्माय नमः ।
 श्रीनारायणाय नमः ।
 श्रीहरिणे नमः ।
 श्रीरामाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीजगत्यै नमः ।
 श्रीलोकत्रये नमः ।
 श्रीमानुषाद्यै नमः ।
 श्रीपशूनाय नमः ।
 श्रीक्षेत्रज्ञाय नमः ।
 श्रीप्रकृत्याय नमः ।
 श्रीमहात्मने नमः ।
 श्रीमहेश्वराय नमः ।
 श्रीमहामाताय नमः ।
 श्रीमहापिताय नमः ।
 श्रीमहास्वामीने नमः ।
 श्रीमहाशक्तिने नमः ।
 श्रीमहावीर्याय नमः ।
 श्रीमहाबल्लभाय नमः ।
 श्रीमहाकरुणाय नमः ।
 श्रीमहासागराय नमः ।
 श्रीमहापद्मे नमः ।
 श्रीमहासुखाय नमः ।
 श्रीमहासौख्ये नमः ।
 श्रीमहासन्तोषाय नमः ।
 श्रीमहाप्रियाय नमः ।
 श्रीमहादयाय नमः ।
 श्रीमहाभक्त्याय नमः ।
 श्रीमहाप्रेम्याय नमः ।
 श्रीमहाशान्त्याय नमः ।
 श्रीमहासुन्दर्याय नमः ।
 श्रीमहाविराट् स्वरूपे नमः ।
 श्रीमहासत्त्वस्थिनिष्ठाय नमः ।
 श्रीमहायोगिने नमः ।
 श्रीमहासंन्यासे नमः ।
 श्रीमहापरमहंसाय नमः ।
 श्रीमहापुरुषाय नमः ।
 श्रीमहाशक्तिस्तुत्याय नमः ।
 श्रीमहादेवाय नमः ।
 श्रीमहात्मने नमः ।
 श्रीमहाबाहादुराय नमः ।
 श्रीमहावीर्याय नमः ।
 श्रीमहाबल्लभाय नमः ।
 श्रीमहाकरुणाय नमः ।
 श्रीमहासागराय नमः ।
 श्रीमहापद्मे नमः ।
 श्रीमहासुखाय नमः ।
 श्रीमहासौख्ये नमः ।
 श्रीमहासन्तोषाय नमः ।
 श्रीमहाप्रियाय नमः ।
 श्रीमहादयाय नमः ।
 श्रीमहाभक्त्याय नमः ।
 श्रीमहाप्रेम्याय नमः ।
 श्रीमहाशान्त्याय नमः ।
 श्रीमहासुन्दर्याय नमः ।
 श्रीमहाविराट् स्वरूपे नमः ।
 श्रीमहासत्त्वस्थिनिष्ठाय नमः ।
 श्रीमहायोगिने नमः ।
 श्रीमहासंन्यासे नमः ।
 श्रीमहापरमहंसाय नमः ।
 श्रीमहापुरुषाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

मन्त्रोऽथैतदुच्यते ॥ ५ ॥ सर्वेष्वेवैतदुच्यते ॥ सर्वेष्वेवैतदुच्यते ॥ सर्वेष्वेवैतदुच्यते ॥ सर्वेष्वेवैतदुच्यते ॥
नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥ नमोऽस्तुते ॥
सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥ सुदक्षिणं ॥
कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥ कुर्वेदेव ॥
उदयस्य ॥ उदयस्य ॥ उदयस्य ॥ उदयस्य ॥ उदयस्य ॥ उदयस्य ॥ उदयस्य ॥ उदयस्य ॥
यामस्य ॥ यामस्य ॥ यामस्य ॥ यामस्य ॥ यामस्य ॥ यामस्य ॥ यामस्य ॥ यामस्य ॥

द्रुपदोऽपि ब्रह्मविद्यायां योगयोगः प्रथमः ।
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव |
 तान्संगम्य महाबाहो बभूवुर्धनराज ॥ १ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ दृष्ट्वान्पाण्डु-
 र्युधिष्ठिरं वीर्यवान्द्रुपदमुनिपुत्रम् ॥
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुनम् ॥
 पश्यैष पश्यैतान्पाण्डुपुत्रसमागतान् ॥
 शक्यं न शक्यं वा मे युद्धतुल्यमेतत् ॥ २ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्य सा-
 न्निभस्तपो योऽस्मान्महाबाहव ॥
 सौमित्रोऽपि संशयो मया ह्यनेन विना ॥
 युद्धायैव हि तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ३ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ४ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ५ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ६ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ७ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ८ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ ९ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥ पाण्डवस्यैव
 सौमित्रस्यैव च तपोऽप्यङ्गुलिभिः ॥
 शक्रोऽपि जयन्तीति तेषामङ्गैर्विश्रितम् ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कृष्णसुभासं परीणमस्य रणपदेणः । विचक्षणपदपुष्पमर्षेत्तु द्वापदपुष्पः । क्लेशमेव हेयस्य क्लेशहीनपुष्पमेव । रक्तेषु
 क्लेशपुष्पपुष्पदण्डस्य पतेः । क्लेशमर्षमपतनहेयपुष्पहीनपदमस्य रणपदेणः । रावेरापदस्य कृष्णपरीदण्डस्य रावेरापदः
 पुष्पमेव हेयस्य सुदपुष्पकममक्लेशः । रक्षणास्य पुष्पपुष्पदण्डस्य पतेः । क्लेशपुष्पमेव हेयस्य सुदपुष्पमपि पदमस्य रणपदेणः
 सुदपदमपदमरणीयपतेः । कृष्णसुभासहीनपुष्पदण्डस्य विपदपतेः । रक्तेषु मपतनपुष्पपुष्पदण्डस्य पतेः । क्लेशपुष्पमपतनपुष्पमेव
 मेव हीनपदमस्य रणपदेणः । मीदुष्यपुष्पमेव क्लेशपतेः । क्लेशपतेः मपतनपुष्पमेव । रक्तेषु मपतनपुष्पमेव । रक्तेषु मपतनपुष्पमेव
 पतनपतेः । क्लेशपुष्पमेव रक्तेषु हीनपदमस्य रणपदेणः । मपतनपुष्पमेव । रक्तेषु मपतनपुष्पमेव । रक्तेषु मपतनपुष्पमेव । रक्तेषु मपतनपुष्पमेव

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 देवता कुण्डलपुष्पमाला ॥ २ ॥
 पद्मपत्रपुष्पमाला ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 देवता कुण्डलपुष्पमाला ॥ ५ ॥
 पद्मपत्रपुष्पमाला ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 देवता कुण्डलपुष्पमाला ॥ ८ ॥
 पद्मपत्रपुष्पमाला ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

१७७
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ यो नो भजेत्तु नो ह्यनुमतिः ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥
अथ तेन संपद्यते तस्यैव संपद्यते ॥ अथ तेन संपद्यते तस्यैव संपद्यते ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥
ये नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ ये नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ ये नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥
नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥
नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥
नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥
नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥ देवस्यैव नमस्तुतुं प्रसक्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

567

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

593

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पुनरेवमथैव रणे परिशेषेण पुः । अत्रैवमथैव रर सेमस देवयोः पुः । मधुवेमथैव दुग्गयामु स दतल यत्तेः । हेम
मथैव देवो पदेव लमहेदः । उवा गमुदल एदुल परैः क्कण लक्कम ल वीद रर एदुदः । अकुव कुं रु पद्म एदुद यतल गो सुख र प
क्त्य पर शर पकुल पर एगेद प वलः । वैरं ठ वल गुण गुण ल एद दु क र म्मे वे ल पल्ल वल परैः वो रु ह्ने देव क लु म परिः -
अस्रुताम् । देव ल कर म्मे वे ल गुण ल्ले क्त लक्कम ल एदुदः । पुण द त गो ल ठ व्ने व्ने द दु पेवः । रणे रे कुष ये र रु द्दु य पि पे व्ने
र ल ए पर वा न्ने वे ल गुण ल्ले व लः । वेद ल्ले वे ल्ले वे द के ल प वः । हे म्मे पु व्ने र र ग मुद ल ए मे ष्ट पर ल्ले ल्ले व ल्ले व ल ल म्मे
ग मुद वः । एद व वे क्त पर एद म्हे द देः । एवे व क्त प ल्ले वे ल लः । व ल ल ए परि के म्मे पु ए वे द ल लः । ए व ए व एदु दु ग द ग र व ल
एवे लः । पु म रि सु द वे ल्ले व ल्ले व लः । एवे ए वे ल्ले व ल्ले व लः । गु व ल एद पर म्हे द प ल वः । म्हे द एद क्त पर एद

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

एषोऽपि कुरुक्षेत्रे सारथी भूयः ॥ १ ॥
 द्रुपदोऽपि कुरुक्षेत्रे सारथी भूयः ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतः ॥ ३ ॥
 सारथी भूयः ॥ ४ ॥
 द्रुपदोऽपि कुरुक्षेत्रे सारथी भूयः ॥ ५ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतः ॥ ६ ॥
 सारथी भूयः ॥ ७ ॥
 द्रुपदोऽपि कुरुक्षेत्रे सारथी भूयः ॥ ८ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतः ॥ ९ ॥
 सारथी भूयः ॥ १० ॥

1293

[illegible]

[illegible]

493

[illegible]

[illegible]

29:

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५७९
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

॥ अथ श्रुतिविदः सहायः ॥ विदः सहायः विदः सहायः विदः सहायः ॥ अथ श्रुतिविदः सहायः ॥

[illegible]

[illegible]

592

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादोऽध्यायः ॥ १८ ॥

[illegible]

192

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीलक्ष्मीनारायणाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ८ ॥
 श्रीशंकराय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीपद्मनाभाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीधर्मराजाय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीजगन्नाथाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीहरिश्चन्द्राय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीदत्तात्रेयाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीकल्याणेश्वराय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीसूर्याय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीवासुदेवाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीअर्जुनाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीभीमसेनाय नमः ॥ २० ॥
 श्रीद्रुपदाय नमः ॥ २१ ॥
 श्रीउपनिषदाय नमः ॥ २२ ॥
 श्रीयोगशास्त्राय नमः ॥ २३ ॥
 श्रीभक्तिसूत्राय नमः ॥ २४ ॥
 श्रीगीताय नमः ॥ २५ ॥
 श्रीमहाभारतान्त्याय नमः ॥ २६ ॥
 श्रीमहाभारतसंहिताय नमः ॥ २७ ॥
 श्रीमहाभारतपुराणाय नमः ॥ २८ ॥
 श्रीमहाभारतसंहिताय नमः ॥ २९ ॥
 श्रीमहाभारतपुराणाय नमः ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ

कुदवेदकुलपुत्रकुपः येपहलातदुललेखपुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

पुत्रकुपः पहेनदकुपपेअलपुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

पुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

पुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

पुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

पुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

पुत्रकुपदः ॐ/ऐमलपुत्रकुपवेठपुत्रपुत्र

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५७३

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

इति तस्य मासः सृणुष्वेति परिशुद्धं पुनरुक्तिः ३ वष

५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ३ ॥
 भीमार्जुनसमाभ्युत्थानो द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ६ ॥
 भीमार्जुनसमाभ्युत्थानो द्रुपद उवाच ॥ ७ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ९ ॥
 भीमार्जुनसमाभ्युत्थानो द्रुपद उवाच ॥ १० ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ ११ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ १२ ॥
 भीमार्जुनसमाभ्युत्थानो द्रुपद उवाच ॥ १३ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ १५ ॥
 भीमार्जुनसमाभ्युत्थानो द्रुपद उवाच ॥ १६ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ १७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ १८ ॥
 भीमार्जुनसमाभ्युत्थानो द्रुपद उवाच ॥ १९ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]



॥ अथ यथासंभवमप्युक्तं ॥ अथ यथासंभवमप्युक्तं ॥ अथ यथासंभवमप्युक्तं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

129

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



१२७: ॥ ६८ ॥ अथ पञ्चे: रणेन प्रिये के पकुपरं गेन हेतुमय पुरा: ॥ अथ के पमत्तं पत्रं दये पुरा: ॥ पर्वत के प: ॥
 लेख पुगुत अ सुदस: ॥ अथ प के पमदे सुगल सुमल उदम प्रेत: ॥ पमम पविणे के पकेण हेतु देत कुल पालेय: ॥ पञ्चमल पारे
 के पकेण पारे अथ पमदे: ॥ अथ प के पमत्तं दण उद प्रिये पालेय: ॥ उद प्रेत के पकेण पारे के पमत्तं दण उद प्रेत: ॥ उद प्रेत के पकेण
 दद के पमत्तं प्रेत: ॥ पमत्तं पुप कुद दण के पमत्तं सुमत्तं गेन: ॥ अथ कुद दमत्तं सुत सुमत्तं गेन पाले: ॥ कुप पारे पमत्तं पमत्तं पमत्तं
 पारे पुरा गेन पुरा: ॥ रणेन पमत्तं पमत्तं उद प्रेत के पमत्तं गेन कु पाले प्रेत: ॥ मदे पाले दये दये पाले पाले पाले पाले: ॥ अथ मदे पाले पाले
 अथ मदे पाले पाले: ॥ कुद पाले दये पाले पाले पाले पाले: ॥ पुरा पाले पाले पाले पाले पाले पाले: ॥ पाले पाले पाले पाले पाले पाले
 अथ पाले पाले पाले: ॥ रणेन पाले पाले पाले पाले पाले पाले: ॥ कुद पाले पाले पाले पाले पाले पाले: ॥ पाले पाले पाले पाले पाले पाले

[illegible]

[illegible]

सूत्रं परं पञ्चमं रणे नवमं सुखं ॥ अथ श्रुत्वा कुरुणायाः पदं गोमोक्षं रदं च ॥ इमं श्रुत्वा श्रुत्वा दण्डेन परं नरेण च ॥ वेदायाम्
श्रुत्वा दण्डेन परं नरेण च ॥ रदं दुर्मि पदं पदं च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥
दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥
नपारमं पदं दुर्मि पदं कुसुमं ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥
पगारं नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥
दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥
दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥ दण्डेन नरेण च ॥

[illegible]

[illegible]

299

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ਸੇਵਾ ਸੁਖ ਧੀਰ ਸੁਖ ਪਰਿਯਾਸਿ ਗਾਇਃ ॥ ਸੇਵਕਾ ਪਦੇ ਪਰਿਯਾਸਿ ਦੇਰ ਪਸ਼ੁਕ ਕਲਾ ਪੁਰ ॥ ਯਾਨੇਰ ਸੁਖ ਪੁਰ ਸੇਵਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥
 ਪੁਰ ਪੁਰ ॥ ਦੇਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪੁਰ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਦੇਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥ ਦੇਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥
 ਕਲਾ ਪੁਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥ ਕਲਾ ਪੁਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥ ਕਲਾ ਪੁਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥ ਕਲਾ ਪੁਰ ਸੇਵਕਾ ਸੁਖ ਪਦੇ ॥
 ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥
 ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥
 ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥
 ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥
 ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ਪਦੇ ॥



॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

॥ हेमन्त विष्वक्पुत्राय नमः ॥ पुनरुत्थितायै शान्तेयै नमः ॥ अहोरात्रिं यक्ष्ण्यारम्भे सुप्रसन्नैस्तु नमः ॥

九九

۱۰۰

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1997

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तु मे ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैत्रांग वीर्यवान् ॥
कर्णेभ्यः पराजितैर्माणाभिरक्रोधैस्त्वक्छिन्नैः पुरोगैर्धनैः ॥ त्वं ह्यर्जुन शोकस्तप्तमहात्मनः सदा ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद मुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तु मे ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाः पांडवश्चैत्रांग वीर्यवान् ॥ कर्णेभ्यः पराजितैर्माणाभिरक्रोधैस्त्वक्छिन्नैः पुरोगैर्धनैः ॥ त्वं ह्यर्जुन
शोकस्तप्तमहात्मनः सदा ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद मुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तु मे ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैत्रांग वीर्यवान् ॥ कर्णेभ्यः पराजितैर्माणाभिरक्रोधैस्त्वक्छिन्नैः पुरोगैर्धनैः ॥
त्वं ह्यर्जुन शोकस्तप्तमहात्मनः सदा ॥

[illegible]

ॐ

[illegible][illegible]

[illegible]

३५७

॥ गणेश प्रोक्तं च ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ १ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ २ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ३ ॥

॥ १ ॥

अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ १ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ २ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ३ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ४ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ५ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ६ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ७ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ८ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ ९ ॥ अथ ब्रह्मण्युपासनां विना न भवति ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ २ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ३ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ४ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ५ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ६ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ७ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ८ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ ९ ॥
 कथं वदन्ति त्वं वदस्व मे ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ

॥ कृष्णपेक्षितं यो गुरुदं शोभं पुनः पश्यः ॥ यत्नस्य रजःशोभं पश्यः ॥ यत्नस्य रजःशोभं पश्यः ॥ यत्नस्य रजःशोभं पश्यः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ईशानात्मनो वन्द्ये तत्त्वज्ञानं परमात्मनो वन्द्यं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

152

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

भेदेभेदेऽपि रीति-कालावधौ च । एतत्तु ॥ ५८ ॥ एतत्तु ॥ ५९ ॥ एतत्तु ॥ ६० ॥ एतत्तु ॥ ६१ ॥ एतत्तु ॥ ६२ ॥ एतत्तु ॥ ६३ ॥ एतत्तु ॥ ६४ ॥ एतत्तु ॥ ६५ ॥ एतत्तु ॥ ६६ ॥ एतत्तु ॥ ६७ ॥ एतत्तु ॥ ६८ ॥ एतत्तु ॥ ६९ ॥ एतत्तु ॥ ७० ॥ एतत्तु ॥ ७१ ॥ एतत्तु ॥ ७२ ॥ एतत्तु ॥ ७३ ॥ एतत्तु ॥ ७४ ॥ एतत्तु ॥ ७५ ॥ एतत्तु ॥ ७६ ॥ एतत्तु ॥ ७७ ॥ एतत्तु ॥ ७८ ॥ एतत्तु ॥ ७९ ॥ एतत्तु ॥ ८० ॥ एतत्तु ॥ ८१ ॥ एतत्तु ॥ ८२ ॥ एतत्तु ॥ ८३ ॥ एतत्तु ॥ ८४ ॥ एतत्तु ॥ ८५ ॥ एतत्तु ॥ ८६ ॥ एतत्तु ॥ ८७ ॥ एतत्तु ॥ ८८ ॥ एतत्तु ॥ ८९ ॥ एतत्तु ॥ ९० ॥ एतत्तु ॥ ९१ ॥ एतत्तु ॥ ९२ ॥ एतत्तु ॥ ९३ ॥ एतत्तु ॥ ९४ ॥ एतत्तु ॥ ९५ ॥ एतत्तु ॥ ९६ ॥ एतत्तु ॥ ९७ ॥ एतत्तु ॥ ९८ ॥ एतत्तु ॥ ९९ ॥ एतत्तु ॥ १०० ॥

[illegible][illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 पद १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 पद २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 पद ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 पद ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 पद ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 पद ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 पद ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 पद ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 पद ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 पद १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ त्वत्पदं ध्यायेन्मनुजैर्ह्यथ
पातयति पापानि ॥ अथ श्रीभक्तियोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ शुक्येन श्रुत्वा मुनिर्ब्रह्मात्मजा
प्रसादात् ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ भक्तियोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ शुक्येन श्रुत्वा मुनिर्ब्रह्मात्मजा
प्रसादात् ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ भक्तियोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
१ ॥ अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
२ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
३ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
४ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
५ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
६ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
७ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
८ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
९ ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥
१० ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥ अहं कृष्णार्जुन ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

॥ ५५ ॥ अथोक्तं ह्यस्य गुरुत्वात् ॥ अथोक्तं ह्यस्य गुरुत्वात् ॥ अथोक्तं ह्यस्य गुरुत्वात् ॥

[illegible]

དཔལ་འདུན་པུས་ནས་འགྲུལ་། འད་སུའོར་ཕྱིར་པུག་གསང་གྱིས་གཞན་ལ་སྤྱེལ་། སྤྱོད་གསལ་དགའ་འཁོད་བཟ་གཅོད་གཡལ་པ་གཡུག་ལ་བྱེད་། རྩ་ལོ་

[illegible][illegible]

५६: सुकंभदयेकेपसुकंभराणुः के।परतेहयकुम्भयपुपवेः के।यथमैलेबेदेमैयधरेः पुदेगाएपुपुद

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ७ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

35

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ २ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ३ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ४ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ५ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ६ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ७ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ८ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ९ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ရွှေ-လင်း

52

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वत्प्रवक्तव्यम् ॥ १ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
मां संकाशांस्तस्मांसांश्चामासि मया धर्मक्षेत्रे ॥ २ ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकास्तथा आरूढाः सर्वे ॥
संजित्वा मामान्नराः प्राङ्मुखस्तथा वेत्सवः सदा ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्यैव धर्मो ज्ञायते ॥ ४ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ यद्युद्धं तर्हि पाण्डवस्य मे मतम् ॥ ६ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्यैव धर्मो ज्ञायते ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ यद्युद्धं तर्हि पाण्डवस्य मे मतम् ॥ ८ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

129

[illegible]

यत्तद्व्याप्यः शुभापेक्षितकृतव्यक्तहेतुपरसम्बन्धः यत्तच्छ्रमिवात्मनोविशेषादेर्यत्तद्व्याप्यः यत्तच्छ्रमिवात्मनोविशेषादेर्यत्तद्व्याप्यः यत्तच्छ्रमिवात्मनोविशेषादेर्यत्तद्व्याप्यः

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

Figure 2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1995

འཕྲིན་ལྗོངས་ཀྱི་མཐོ་རྒྱུ་དང་། རྒྱུ་རྩེ་གླིང་གི་ཡུལ་གྱི་བུ་ཆུང་དང་བུ་ཚ་པ་ཞིང་།

ॐ स्वस्ति स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमः

व्यस्यन्तः पश्यन्तः पश्यन्तः पश्यन्तः

कृष्णपर एगदि पयैलः

सप्तसुखाः

शिवशरणं शिवशरणं शिवशरणं

५ ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ कुरु सुखं पद्माय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः

अथ बुधवारवर्गद्वयं दत्तं तदा यथाप्यसिद्धं भवेत् तदा पुनः पञ्चमवारं

इन्द्रावतः पुत्रपुत्रैः सार्वभौमः पुत्रः

ਪ੍ਰਦੁਰਗੈਰਘੀ ਬਦਘੋਸ਼ਣੇਸੁਗੁਰਪੁਰੁ

सदस्य पौरोष

संयमहेदयानुदत्त

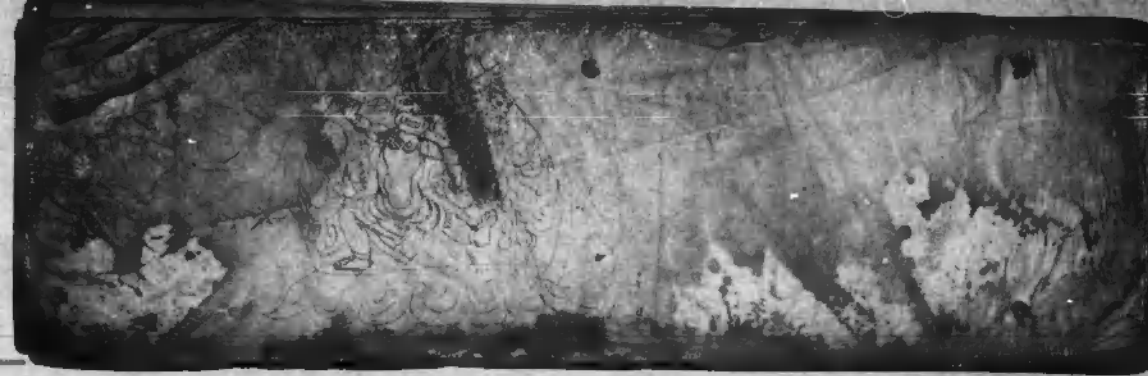
कृत्यप्रशस्त्यरपणकु

[illegible]



॥ ५२ ॥ वरुण गतेः तस्य पुत्र इत्युच्यते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 गच्छेत्तु यदा ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु
 पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु
 पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु
 पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु पुनस्तु





NYINGMA SCHOOL

HANDWRITTEN DBU CAN

Shed Title **PAD-MA BKA' THAN**

NEPAL-GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Place of Deposit: **DGE 'AMEL** Private: **SONAM LAMA** MS NO.

Subject: **RNAM THAR (Biography)** Rating No. **L3544**

TITLE (over to Colophon/Canal-card)

**URGYAN GURU PAD-MA 'BYUN GNAS KYI SKYES
RABS RNAM THAR RGYAS PAR BKOD PA PADMA
BKA' YI THAN YIG BEUGS SO/**

4 THOR **O rgyan glui pa**

No. of leaves: **381** Weight, Size in cm: **13.2x44** Reel No.

Date of Writing: **5.2.90** Script: Nagari Newari Tibetan Manthili

Remarks: paper—palm-leaf, damaged by mould—rats—breaking—others

Paper: Nepali—Indian—mill-made, long—Thyasphe—bound

Date: NS VS Shaka LS Colour Colour Slide No.

contd. L28811

L287

22